# भ्रष्टाचार मुक्त भारत में जी.एस.टी. का योगदान अहम : प्रो. कुहाड़

## कुलपति संग वि.वि. परिवार ने ली राष्ट्रीय एकता व भ्रष्टाचार मुक्त भारत की शपथ, जी.एस.टी. पर व्याख्यान का किया आयोजन

महेंद्रगढ़, 30 अक्तूबर (अशोक): भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण में जी.एस.टी. का अहम योगदान साबित होगा। इससे विभिन्न स्तर पर जारी कर की चोरी पर अंकुश लगाने में सरकार को मदद मिल रही है। नए भारत के निर्माण में यह आर्थिक बदलाव महत्वपूर्ण साबित होने वाला है। यह कहना है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ का। उन्होंने अपने यह विचार सोमवार को विश्वविद्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2017 का शुभारंभ करते हुए कही।

इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय विद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों को भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण व भारत की एकता के लिए प्रयास करने की शपथ दिलाई। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के सपने को साकार करने के लिए जरूरी है कि हम सब मिलजुलकर भारत निर्माण के लिए प्रयास करें।

विश्वविद्यालय के प्रो. मूल चंद सभागार में आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम के बाद देशभर में लागू जी.एस.टी. मुद्दा और चुनौतियां विषय पर एक व्याख्यान का भी आयोजन किया गया।

इसमें मुख्य वक्ता के तौर पर गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रोफैसर कर्मपाल नरवाल ने हिस्सा लिया। इस चर्चा के दौरान प्रोफैसर नरवाल ने बताया कि जी.एस.टी. आजाद भारत का सबसे बड़ा आर्थिक बदलाव है। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में इसकी भूमिका बेहद अहम है और एक विश्वविद्यालय होने के नाते यह हमारी जिम्मेदारी हो जाती है कि इसके प्रचार-प्रसार में सहयोग करें।

प्रो. नरवाल ने कहा कि यह व्यवस्था अभी अपने शुरूआती स्तर पर है और इसमें सुधार की जरूरत महसूस की जा रही है लेकिन इस सुधार के लिए हमें प्रयास करना होगा। प्रो. नरवाल ने जी.एस.टी. से आम आदमी के जीवन पर पड़ने वाले असर पर चर्चा करते हुए कहा कि यह हर किसी के लिए फायदेमंद है। जहां तक बड़े स्तर पर लाभ की

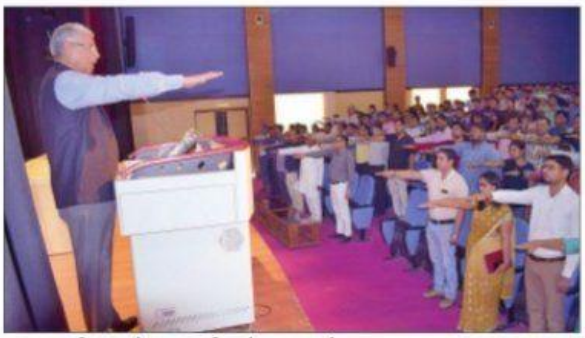

*शपथ दिलवाते कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़।* (अशोक)

बात है तो आर्थिक मोर्चे पर कमजोर राज्यों और मेक इन इंडिया के लिए यह बेहद उपयोगी साबित होगा।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह (30 अक्तूबर से 4 नवम्बर) की शुरूआत के मौके पर विश्वविद्यालय में विभिन्न विभागों द्वारा इस वर्ष के विषय 'मेरा लक्ष्य-भ्रष्टाचार मुक्त भारत' का पोस्टर अपने कार्यालय में प्रदर्शित किया।

विश्वविद्यालय परिसर में एकता दिवस व सतर्कता जागरूकता सप्ताह के उपलक्ष्य में आयोजित शपथ के मौके पर विश्वविद्यालय के अकादमिक एवं अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. ए.जे. वर्मा, कुलसचिव रामदत्त, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. बीर सिंह, प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार, डा. संजीव कुमार, डा. आदित्य सक्सेना, डा. सारिका शर्मा, डा. आनंद शर्मा, डा. प्रदीप सिंह, विश्वविद्यालय के एन.एस.एस. संयोजक डा. दिनेश चहल, सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. रंजन अनेजा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

# विवि में जीएसटी पर व्याख्यान, शिक्षकों संग बच्चों ने लिया भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने का संकल्प

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण में जीएसटी का अहम योगदान साबित होगा। इससे विभिन्न स्तर पर जारी कर की चोरी पर अंकुश लगाने में सरकार को मदद मिल रही है। नए भारत के निर्माण में यह आर्थिक बदलाव महत्त्वपूर्ण साबित होने वाला है। यह कहना है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ का। उन्होंने अपने यह विचार सोमवार को विवि में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2017 का शुभारंभ करते हुए रखे।

कार्यक्रम में कुलपति विवि विद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों को भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण व भारत की एकता के लिए प्रयास करने की शपथ दिलाई। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल के सपने को साकार करने के लिए जरूरी है कि हम सब मिल-जुलकर भारत निर्माण के लिए प्रयास करें। प्रो. मूल चंद सभागार में आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम के बाद देशभर में लागू जीएसटी मुद्दा और चुनौतियां विषय पर एक व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के तौर पर गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रोफेसर कर्मपाल नरवाल ने हिस्सा लिया। प्रो. नरवाल ने बताया कि जीएसटी आजाद भारत का सबसे बड़ा आर्थिक बदलाव है। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में इसकी भूमिका बेहद अहम है। प्रो. नरवाल ने कहा कि जीएसटी हर किसी के लिए फायदेमंद है। जहां तक बड़े स्तर पर लाभ की बात है तो आर्थिक मोर्चे पर कमजोर राज्यों और मेक इन इंडिया के लिए यह बेहद उपयोगी साबित होगा। कार्यक्रम में विवि के अकादमिक एवं अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. एजे वर्मा, कुलसचिव रामदत्त, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. बीर सिंह, प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. आदित्य सक्सेना, डॉ. सारिका शर्मा, डॉ. आनंद शर्मा, डॉ. प्रदीप सिंह, विवि के एनएसएस संयोजक डॉ. दिनेश चहल, सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. रंजन अनेजा आदि मौजूद रहे।

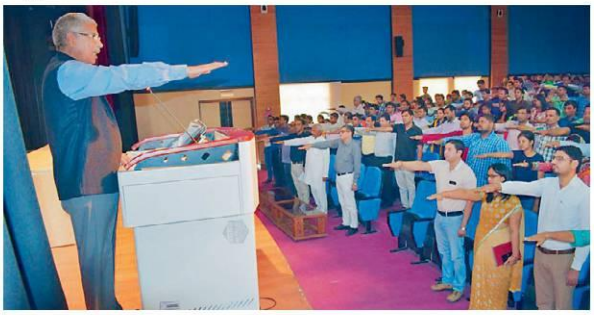

**महेंद्रगढ़.** केंद्रीय विवि में विद्यार्थियों और शिक्षकों को भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण के प्रयास करने की शपथ दिलाते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

# जीएसटी का योगदान अहम : प्रो. कुहाड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। हकेंविवि में सपथ दिलाते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़। फोटो: हरिभूमि

भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण में जीएसटी का अहम योगदान साबित होगा। इससे विभिन्न स्तर पर जारी कर की चोरी पर अंकुश लगाने में सरकार को मदद मिल रही है। नए भारत के निर्माण में यह आर्थिक बदलाव महत्वपूर्ण साबित होने वाला है। यह कहना है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ का। उन्होंने अपने यह विचार सोमवार को विश्वविद्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2017 का शुभारंभ करते हुए कही। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय विद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों को भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण व भारत की एकता के लिए प्रयास करने की शपथ दिलाई। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के सपने को साकार करने के लिए जरूरी है कि हम सब मिलजुलकर भारत निर्माण के लिए प्रयास करें। मौके पर विश्वविद्यालय के अकादमिक एवं अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. एजे वर्मा, कुलसचिव रामदत्त, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. बीर सिंह, प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार, डा. संजीव कुमार, डा. आदित्य सक्सेना, डा. सारिका शर्मा, डा. आनंद शर्मा, डा. प्रदीप सिंह, विश्वविद्यालय के एनएसएस संयोजक डा. दिनेश चहल, डा. रंजन अनेजा आदि लोग मौजूद रहे।

# भ्रष्टाचार मुक्त भारत में जीएसटी का योगदान अहम : कुहाड़

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़।

भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण में जीएसटी का अहम योगदान साबित होगा। इससे विभिन्न स्तर पर जारी कर की चोरी पर अंकुश लगाने में सरकार को मदद मिल रही है। नए भारत के निर्माण में यह आर्थिक बदलाव महत्वपूर्ण साबित होने वाला है। यह कहना है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ का। उन्होंने अपने यह विचार सोमवार को विश्वविद्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2017 का शुभारंभ करते हुए कही।

इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय विद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों को भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण व भारत की एकता के लिए प्रयास करने की शपथ दिलाई। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के सपने को साकार करने के लिए जरूरी है कि हम सब मिलजुलकर भारत निर्माण के लिए प्रयास करें। विश्वविद्यालय के प्रो. मूल चंद सभागार में आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम के बाद देशभर में लागू जीएसटी मुद्दा और चुनौतियां विषय पर एक व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के तौर पर गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रोफेसर कर्मपाल नरवाल ने हिस्सा लिया। इस चर्चा के दौरान प्रोफेसर नरवाल ने बताया कि जीएसटी आजाद भारत का सबसे बड़ा आर्थिक बदलाव है। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में इसकी भूमिका बेहद अहम है और एक विश्वविद्यालय होने के नाते यह हमारी जिम्मेदारी हो जाती है कि इसके प्रचार-प्रसार में सहयोग करें। उन्होंने जीएसटी से आम आदमी के जीवन पर पड़ने वाले असर पर चर्चा करते हुए कहा कि यह हर किसी के लिए फायदेमंद है। जहां तक बड़े स्तर पर लाभ की बात है तो आर्थिक मोर्चे पर कमजोर राज्यों और मेक इन इंडिया के लिए यह बेहद उपयोगी साबित होगा। सतर्कता जागरूकता सप्ताह (30 अक्टूबर से 4 नवम्बर) की शुरूआत के मौके पर विश्वविद्यालय में विभिन्न विभागों द्वारा इस वर्ष के विषय मेरा लक्ष्य - भ्रष्टाचार मुक्त भारत का पोस्टर अपने कार्यालय में प्रदर्शित किया। विश्वविद्यालय परिसर में एकता दिवस व सतर्कता जागरूकता सप्ताह के उपलक्ष्य में आयोजित शपथ के मौके पर विश्वविद्यालय के अकादमिक एवं अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. ए.जे. वर्मा, कुलसचिव रामदत्त, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. बीर सिंह, प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. आदित्य सक्सेना, डॉ. सारिका शर्मा, डॉ. आनंद शर्मा, डॉ. प्रदीप सिंह, विश्वविद्यालय के एनएसएस संयोजक डॉ. दिनेश चहल, सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. रंजन अनेजा आदि रहे।

# भ्रष्टाचार मुक्त भारत में जीएसटी का अहम योगदान : प्रो. कुहाड़

## विभिन्न स्तर पर कर की चोरी पर लगाने में सरकार को मिल रही मदद

**संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ :** भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण में जीएसटी का अहम योगदान साबित होगा। इससे विभिन्न स्तर पर कर की चोरी पर अंकुश लगाने में सरकार को मदद मिल रही है। नए भारत के निर्माण में यह आर्थिक बदलाव महत्वपूर्ण साबित होने वाला है यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने रखे। वे सोमवार को विश्वविद्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों को भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण व भारत की एकता के लिए प्रयास करने की शपथ दिलाई।

प्रो. कुहाड़ ने कहा कि देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल के सपने को साकार करने के लिए जरूरी है कि हम सब मिलजुलकर भारत निर्माण के लिए प्रयास करें। विश्वविद्यालय के प्रो. मूल चंद सभागार में आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम के बाद देशभर में लागू जीएसटी मुद्दा और चुनौतियां विषय पर एक व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के तौर पर गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के प्रोफेसर कर्मपाल नरवाल ने हिस्सा लिया। इस चर्चा के दौरान प्रोफेसर नरवाल ने बताया कि जीएसटी आजाद भारत का सबसे बड़ा आर्थिक बदलाव है। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में इसकी भूमिका बेहद अहम है और एक विश्वविद्यालय होने के नाते यह हमारी जिम्मेदारी हो जाती है कि इसके प्रचार-प्रसार में सहयोग करें। प्रो. नरवाल ने कहा कि यह व्यवस्था अभी अपने शुरुआती स्तर पर है और इसमें सुधार की जरूरत महसूस की जा रही है लेकिन इस सुधार के लिए हमें प्रयास करना होगा। प्रो. नरवाल ने जीएसटी से आम आदमी के जीवन पर पड़ने वाले असर पर चर्चा करते हुए कहा कि यह हर किसी के लिए फायदेमंद है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह की शुरुआत के मौके पर विश्वविद्यालय में विभिन्न विभागों द्वारा इस वर्ष के विषय मेरा लक्ष्य-भ्रष्टाचार मुक्त भारत का पोस्टर अपने कार्यालय में प्रदर्शित किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अकादमिक एवं अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. ए.जे. वर्मा, कुलसचिव रामदत्त, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. बीर सिंह, प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. आदित्य सक्सेना, डॉ. सारिका शर्मा, डॉ. आनंद शर्मा, डॉ. प्रदीप सिंह, विश्वविद्यालय के एनएसएस संयोजक डॉ. दिनेश चहल, सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. रंजन अनेजा आदि मौजूद थे।

शपथ दिलाते वीसी प्रो. आरसी कुहाड़ ● जागरण

### जीएसटी

- सोमवार को विवि में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ
- भारत की एकता के लिए प्रयास करने की शपथ दिलाई